सत्यमेव जयते

राजस्थान राज–पत्र साधारण	RAJASTHAN GAZETTE Ordinary
साधिकार प्रकाशित	**Published by Authority**

जिल्द 77 कार्तिक 1, गुरुवार, शाके 1947–अक्टूबर 23, 2025 अंक 30
Vol. 77 Kartika 1 , Thursday, Saka 1947–October 23, 2025 No. 30

भाग 7

विभिन्न विभागों में प्रदायों के लिए टेण्डर मांगने की सूचनाओं को सम्मिलित करते हुए सार्वजनिक और निजी विज्ञापन आदि।

शपथ–पत्र

मै, संतोष पत्नी श्री रामस्वरूप, आयु 37 वर्ष, निवासी– 146, भरया की ढाणी, नेनिया, तह. परबतसर, नेणीयां जिला नागौर (राज.) शपथपूर्वक बयान करती हूँ किः–

1. यह कि मेरी पुत्री मनीषा कुड़िया की कक्षा दसवीं की परीक्षा वर्ष 2022 में केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड से उत्तीर्ण की थी जिसमें उसका नामांक 11206182 था। उक्त उत्तीर्ण की गई परीक्षाओं हेतु जारी अंकतालिका में माता का नाम यानि मेरा नाम सीता देवी अंकित है।
2. यह कि मेरे आधार कार्ड, जनाधार कार्ड आदि में मेरा नाम संतोष अंकित है उक्त दोनों नाम संतोष व सीता देवी मेरे स्वयं के ही नाम हैं किसी अन्य महिला के नाम नहीं हैं। भविष्य में उक्त नामों में भिन्नता के कारण कोई समस्या होती है तो उसकी समस्त जिम्मेदारी मेरी स्वयं की होगी व रहेगी।
3. यह है कि अब मैं अपने पुराने नाम सीता देवी का प्रयोग छोड़ती हूं और उसकी जगह मैंने अपना नाम संतोष रख लिया है, और जिससे कि मैं, मेरे पति, मेरे बच्चे भविष्य में मेरे उक्त नाम सीता देवी से न बुलाए जाए बल्कि मेरे नये नाम संतोष के नाम से बुलाये जाए/जाने पहचाने जाए।
4. यह है कि मैं अपने इस निश्चय को प्रमाणित करने के उद्देश्य से मैं यह घोषणा करती हूँ तथा लेन–देन से निजी अभिलेखों, प्रलेखों तथा कामकाजों और सभी कार्यवाहियों, व्यवहारों और लेन–देन के निजी तौर पर तथा सभी अवसरों पर अपने उक्त नाम सीता देवी की जगह संतोष के नाम का प्रयोग करूँगी और उसी के अनुसार हस्ताक्षर करूँगी।
5. यह कि मैं यह शपथ पत्र राजपत्र में प्रकाशन बाबत् प्रस्तुत कर रहा हूँ।

दिनांकः– 01–09–2025 संतोष
स्थानः– अजमेर हस्ताक्षर शपथकर्ता

सत्यापन

मैं उक्त शपथकर्ता सत्यापित करती हूं कि इस शपथ–पत्र की मद संख्या 01 से 05 तक मेरी निजी जानकारी एवम् विश्वास के अनुसार सही व सत्य है।

दिनांकः– 01–09–2025 संतोष
स्थानः– अजमेर हस्ताक्षर शपथकर्ता

ATTESTED
HARISH DAYMA
01-09-2025
NOTARY PUBLIC, AJMER.
17315

राज्य केन्द्रीय मुद्रणालय, जयपुर।